

खबर संक्षेप

करवा चौथ पर ऋचा पानेरी ने दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। पदमावत मीडिया की राजस्थान प्रदेश ब्यूरो हेड ऋचा



पानेरी ने करवा चौथ के पावन पर्व पर राजस्थान के समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस पर्व को प्रेम, विश्वास, त्याग और समर्पण की भावना से जुड़ा भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण त्योहार बताते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। ऋचा पानेरी ने कहा कि करवा चौथ भारतीय परंपराओं और पारिवारिक रिश्तों की मजबूती का प्रतीक है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी दंपत्य जीवन की कामना के साथ व्रत रखती हैं। पूजा-अर्चना और चंद्र दर्शन के साथ व्रत पूर्ण करने की यह परंपरा पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास और आपसी समर्पण को और मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि त्योहार हमारी सांस्कृतिक विरासत को संभालने और परिवारों को आपस में जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। करवा चौथ जैसे पर्व जीवन में सकारात्मकता, आत्मीयता और रिश्तों के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ाते हैं। ऐसे अवसर परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सद्भाव का वातावरण बनाते हैं तथा सामाजिक एकता को भी मजबूती प्रदान करते हैं। ऋचा पानेरी ने राजस्थान की सभी माताओं, बहनों और प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि करवा चौथ का यह पावन पर्व सभी के जीवन में नई खुशियां लेकर आए। उन्होंने कामना की कि राजस्थान में सदैव सुख-समृद्धि, शांति, पारिवारिक प्रेम और आपसी भाईचारा बना रहे तथा प्रत्येक परिवार में खुशहाली और मंगलमय वातावरण रहे।

उदयपुर शहर के 11 प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों की नो-एंट्री

ब्यूरो हेड : ऋचा पानेरी

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। शहर में यातायात जाम और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जिला मजिस्ट्रेट गौरव अग्रवाल ने 10 टन से अधिक सकल वाहन वजन वाले भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है। 28 अक्टूबर 2026 से प्रभावी यह आदेश एक माह तक लागू रहेगा। इसके तहत सुबह 7 बजे से रात 10 बजे तक ट्रक, डंपर, ट्रैलर सहित भारी वाहनों का शहर के 11 प्रमुख मार्गों पर आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। प्रतिबंधित मार्गों में ट्रांसपोर्ट नगर से प्रतापनगर चौराहा, बलीचा से प्रतापनगर और भुवाणा, रामपुरा से सुभाष चौराहा, बेदला से फतहपुरा, सुखेर घाटी से बेदला लाल बोट तिराहा, एकलिंगपुरा से हिरण मारी, सविना लेबर चौराहे से खेड़ा सर्कल, गोवर्धन विलास चुंगी नाका से शहर व सोए सर्कल, नेला तालाब से सोए और खेड़ा सर्कल तथा नया आरटीओ से कालका माता रोड और यूनिवर्सिटी रोड शामिल हैं। विशेष या आपातकालीन परिस्थिति में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से पूर्व अनुमति लेकर ही छूट मिल सकेगी। नगर निगम और उदयपुर विकास प्राधिकरण को संबंधित स्थानों पर यातायात संकेतक लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

जयपुर में पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में 69.41 प्रतिशत मतदान

जयपुर @ पदमावत मीडिया। पंचायतीराज आम चुनाव 2026 के दूसरे चरण में जयपुर जिले में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए कुल 69.41 प्रतिशत मतदान हुआ। अंतिम आंकड़ों के अनुसार, जिले के 3,78,364 मतदाताओं में से 2,62,641 ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नावक ने बताया कि जिले की अमरसर, आमेर, जालपुर, रामपुर डाबड़ी और शाहपुर पंचायत समितियों में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। शाहपुर में सर्वाधिक 72.08 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि जालपुर में 71.95, आमेर में 68.33, रामपुर डाबड़ी में 67.98 और अमरसर में 67.89 प्रतिशत मतदान हुआ।

फोटो जर्नलिस्ट के बेटे पर हमला, दुकान में बंद कर लोहे के सरियों से पीटा; पिता से भी मारपीट, 3 आरोपी हिरासत में

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

ब्यूरो हेड : ऋचा पानेरी

उदयपुर। शहर के ऐतिहासिक जगदीश चौक के पीछे लालघाट रोड पर बुधवार को प्री-वेडिंग शूट के दौरान कैमरा चलाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट प्रमोद सोनी के बेटे दीपक सोनी के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई। आरोप है कि हैडीक्राफ्ट दुकान से जुड़े लोगों ने दीपक को दुकान के अंदर बंद कर लोहे के सरियों और डंडों से हमला किया। बेटे के साथ मारपीट की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे प्रमोद सोनी के साथ भी हाथापाई की गई। घटना के बाद पत्रकारों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। घंटाघर थाना पुलिस ने मामले में शाह हैडीक्राफ्ट से जुड़े तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है।

कैमरा चलाने से रोकने पर बढ़ा विवाद, टीम के साथ भी मारपीट का आरोप

जानकारी के अनुसार, दीपक सोनी अपने दोस्तों नितेश और हेमंत के साथ लालघाट रोड पर प्री-वेडिंग शूट कर रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद दुकानदारों ने उन्हें कैमरा चलाने से रोकना और कहा कि इस इलाके में वीडियो रिकॉर्डिंग की अनुमति नहीं है। दीपक ने इस तरह रोके जाने पर विरोध जताया तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि शाह हैडीक्राफ्ट से जुड़े सिद्धिक, टीना और उनके साथियों ने दीपक तथा उनकी टीम के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस



घटनाक्रम में दीपक का कैमरा भी टूट गया।

दुकान का गेट बंद कर सरियों और डंडों से हमला करने का आरोप

दीपक सोनी के अनुसार, आरोपियों ने दुकान का गेट बंद कर उन्हें बाल पकड़कर घसीटा। दुकान के अंदर मौजूद चार से पांच लोगों ने लोहे के सरियों और डंडों से उन पर वार किए, जिससे उन्हें अंदरूनी चोटें आईं। आरोप है कि हमलावरों ने दीपक और उनके पिता को जान से मारने की धमकी भी दी। बेटे के साथ मारपीट की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट प्रमोद सोनी घटनास्थल पर



पहुंचे, लेकिन उनके साथ भी हाथापाई की गई। आरोपियों ने पिता-पुत्र को धक्का देकर दुकान के अंदर खींच लिया और कुछ समय तक बंधक बनाए रखा। किसी तरह दोनों वहां से निकलकर घंटाघर थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी देकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

पत्रकारों में आक्रोश, तीन आरोपी हिरासत में

घटना की जानकारी फैलते ही शहर के पत्रकार घंटाघर थाने पर एकत्र हो गए। पत्रकारों ने आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए घंटाघर थाना पुलिस ने शाह हैडीक्राफ्ट से जुड़े

सिद्धिक, टीना और एक अन्य आरोपी सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लालघाट रोड पर नगर निगम की कार्रवाई, नौ दुकानों के बाहर से हटाए अतिक्रमण

इसी बीच बुधवार को लालघाट रोड पर नगर निगम ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। महापौर पारस सिंघवी के नेतृत्व में निगम की टीम जेसीबी लेकर मौके पर पहुंची और नौ दुकानों तथा रेस्टोरेंट के बाहर किए गए अतिक्रमण ध्वस्त कर दिए। कार्रवाई के दौरान सड़क पर बनाए गए लोहे के शेड और पक्के रैप हटाए गए। एक दुकान के बाहर लगे शटर को भी तोड़ा गया। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन निगम दस्ते ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी रखी।

दुकानों के बाहर लगाए गए थे नो वीडियो रिकॉर्डिंग के पोस्टर

महापौर पारस सिंघवी ने बताया कि लालघाट रोड की दुकानों के बाहर नो वीडियो रिकॉर्डिंग के पोस्टर लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि उदयपुर में देशभर से पर्यटक घूमने और प्री-वेडिंग शूट के लिए आते हैं तथा पर्यटन विभाग भी ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करता है। इसके बावजूद पुराने शहर के इस इलाके में वीडियो रिकॉर्डिंग पर रोक संबंधी नोटिस लगाए गए थे। महापौर के अनुसार, इन पोस्टरों की जानकारी पर्यटन विभाग और स्थानीय पुलिस को भी नहीं थी।

उदयपुर में सूर्य के रहस्यों पर महामंथन, देशभर के 75 वैज्ञानिक जुटे

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

ब्यूरो हेड : ऋचा पानेरी

उदयपुर। सूर्य की रहस्यमयी गतिविधियों, सौर विस्फोटों और पृथ्वी के अंतरिक्षीय वातावरण पर उनके प्रभावों को समझने के लिए फतहसागर झील के मध्य स्थित उदयपुर सौर वेधशाला में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सोलर फिजिक्स मीटिंग-2026 का बुधवार को शुभारंभ हुआ। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) की मेजबानी में 28 से 30 अक्टूबर तक आयोजित इस बैठक में देशभर की प्रमुख अनुसंधान प्रयोगशालाओं, इसरो के केंद्रों, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लगभग 75 वैज्ञानिक एवं शोधकर्ता भाग ले रहे हैं। बैठक का मुख्य विषय सौर घटनाएं और अंतरिक्ष मौसम है। इसमें सौर विस्फोटों, उनसे उत्पन्न गतिविधियों के अंतरिक्ष में प्रसार तथा पृथ्वी के आसपास के अंतरिक्षीय वातावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जा रहा है। साथ ही भारत के आदित्य-एल1 मिशन सहित अन्य अंतरिक्ष अभियानों की भूमिका पर भी विचार-विमर्श हो रहा है। बैठक के पहले दिन पीआरएल के अमृत व्याख्यान में प्रख्यात सौर वैज्ञानिक प्रो. जगदेव सिंह ने सूर्य के अध्ययन में हुई प्रगति और भविष्य की संभावनाओं पर विचार रखे। उन्होंने पृथ्वी पर स्थापित दूरबीनों और अंतरिक्ष वेधशालाओं से प्राप्त अवलोकनों के महत्व को बताते हुए कहा कि सूर्य से जुड़े अनेक रहस्यों को समझना अभी बाकी है, जिनके समाधान के लिए भविष्य में विशेष अंतरिक्ष अभियानों की आवश्यकता होगी। पीआरएल



के डीन प्रो. एस. पल्लमराजू ने उनका परिचय दिया। पीआरएल निदेशक प्रो. अनिल भारद्वाज ने उदयपुर सौर वेधशाला की वैज्ञानिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि वेधशाला ने स्थापना के 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं। यहां स्थापित मल्टी-एप्लीकेशन सोलर टेलीस्कोप के संचालन के भी 10 वर्ष पूरे हो चुके हैं। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों और सौर आंकड़ों के विश्लेषण में दक्ष बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक के तहत पीएचडी विद्यार्थियों और युवा वैज्ञानिकों के लिए सोलर डेटा एनालिसिस कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने सौर अवलोकनों से प्राप्त आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण की बारीकियां सीखीं। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने फतहसागर झील के मध्य स्थित उदयपुर सौर वेधशाला का भ्रमण कर दूरबीनों से प्राप्त सूर्य की वास्तविक समय की छवियों का अवलोकन भी किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. भुवन जोशी ने बताया कि यह बैठक विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों के बीच विचारों के आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान और सहयोग को बढ़ावा देने का मंच है। 29 और 30 अक्टूबर को होने वाले सत्रों में अंतरिक्ष मौसम, सौर विस्फोट, सौर एक्स-रे खगोल विज्ञान, आदित्य-एल1 सहित विभिन्न सौर अभियानों से प्राप्त आंकड़ों और सौर उपकरणों में नवीनतम प्रगति पर चर्चा होगी।

उदयपुर में पंचायतीराज चुनाव के दूसरे चरण में मतदाताओं में दिखा उत्साह, 458 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण मतदान

ब्यूरो हेड : ऋचा पानेरी

उदयपुर। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के द्वितीय चरण में बुधवार को उदयपुर जिले की छह पंचायत समितियों के 458 मतदान केंद्रों पर उत्साहपूर्वक मतदान हुआ। गांव की सरकार चुनने के लिए मतदाताओं में सुबह से ही उत्साह नजर आया। युवा, महिला, बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मतधिकार का प्रयोग किया। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल और जिला पुलिस



अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में प्रशासन एवं पुलिस की सुस्ती से मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस चरण में जिला परिषद के 36 और पंचायत समिति



सदस्य पद के 248 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में दर्ज हो गया। द्वितीय चरण में जिले की बड़ागांव, देवला, गोमुंदा, कोटड़ा, सायरा तथा सुलाव पंचायत

समितियों में जिला परिषद के 14 और पंचायत समितियों के 96 वार्डों के लिए मतदान हुआ। सुबह से ही ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। कई केंद्रों पर कतारें देखने को मिलीं। लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी निभाने के लिए मतदाताओं में विशेष उत्साह रहा। जिले की सभी छह पंचायत समितियों में सुबह 10 बजे तक 11.89 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसके बाद मतदान की गति में तेजी

आई और दोपहर 1 बजे तक मतदान प्रतिशत बढ़कर 39.29 हो गया। अपराह्न 3 बजे तक जिले में 55.70 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान के दौरान बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं में भी उत्साह देखने को मिला। उम्र के इस पड़ाव पर भी बुजुर्ग मतदाता मतदान केंद्रों तक पहुंचे और अपने मतधिकार का प्रयोग किया। वहीं दिव्यांग मतदाताओं ने भी मतदान में भागीदारी निभाकर लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया।

काव्य



मोनिका डागा आनंद

(रचना स्वरचित व
सर्वाधिकार सुरक्षित)

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com

करवा चौथ का त्योहार

सच्ची खुशियों का संगम करवा चौथ का त्योहार,
बरसाना हम बच्चों पर माता अपनी अमृत धार।
करें प्रार्थना करवा माता से सुहागिने सारी,
सदा सलामत रखना ये जोड़ी हे मात! हमारी।
श्रद्धा से निजल व्रत कर वरणों में धरा हे शीश,
पति की दीघार्पु का मोंगती हूँ आपसे आशीष।
बढ़ें हमेशा इस जीवन में निश्छल निरंतर प्यार,
बरसाना हम बच्चों पर माता अपनी अमृत धार।
सुखद आनंद वैवाहिक जीवन का प्यारा उत्सव,
ससपदी के पावन बंधन का है सुहाना पर्व।
प्रीत से खिली है कितनी सुंदर तन-मन की क्यारी,
सोलह श्रृंगार में सजी सुहागिन लगे बड़ी प्यारी।
निभाएँ समर्पण से रिश्ता, सपने करें साकार,
बरसाना हम बच्चों पर माता अपनी अमृत धार।
बनाकर चाँद को साक्षी प्रेम की पूरी की रीत,
सुख-समुद्धि, प्रेम से संपन्न जिंदगी आशातीत।
आँखों में झलके हमारे पुनीत प्रेम का सबूत,
सच्चे जीवनसाथी सुख-दुख के, हो पकड़ मजबूत।
चहकता रहे खुशियों से यूँ सदाबहार संसार,
बरसाना हम बच्चों पर माता अपनी अमृत धार।

भीण्डर पुलिस की बड़ी
कार्रवाई, 5 हजार का इनामी
मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने और नशा मुक्त भारत अभियान को प्रभावी बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत भीण्डर पुलिस ने 25 हजार के इनामी और लंबे समय से फरार चल रहे मादक पदार्थ तस्कर ओमप्रकाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी ओमप्रकाश (49) पुत्र पन्नालाल, निवासी उच्छेड़, थाना मनासा, जिला नीमच, मध्य प्रदेश को पुलिस टीम ने सटीक आसूचना और तकनीकी संसाधनों की सहायता से गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा रजत बिशनोई और वृत्ताधिकारी वल्लभनगर श्रवणदास संत के सुपरविजन में थानाधिकारी भीण्डर मुकेशचन्द्र के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। आरोपी लंबे समय से फरार था और पुलिस को उसकी तलाश थी। मामले की शुरूआत 17 नवंबर 2024 को हुई थी, जब खेरोदा थानाधिकारी की टीम ने भटेवर स्थित होटल यासुदेव के सामने नाकाबंदी के दौरान हनुमानाराम को 2.039 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया था। इस संबंध में प्रकरण संख्या 204/2024 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 और 29 में मामला दर्ज किया गया। इसकी जांच भीण्डर थानाधिकारी को सौंपी गई थी। अनुसंधान के दौरान गिरफ्तार आरोपी हनुमानाराम ने अफीम उंकारलाल से खरीदना स्वीकार किया। पुलिस ने उंकारलाल को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने अफीम की खेप मुख्य सप्लायर ओमप्रकाश से लेना बताया। इस कार्रवाई में थानाधिकारी मुकेशचन्द्र, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार और राजेश कुमार तथा कांस्टेबल रोहित, निखिल और मोहम्मद युसुफ शामिल रहे।



आलिया-दीपिका की फिल्म कर सकती है अच्छी ओपनिंग

राधिका आटे इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज ‘अवका’ को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में महिलाओं की स्थिति के बारे में बात की है। अभिनेत्री का कहना है कि हिंदी सिनेमा में महिला कलाकारों को अवसर ऐसी फिल्मों में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका में होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि महिला-प्रधान फिल्मों के लिए

एक अच्छी थिएट्रिकल रिलीज पाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कोई महिला-प्रधान फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तभी अच्छी शुरुआत कर सकती है, जब उसमें आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसी बड़ी स्टार्स मुख्य भूमिका में हों। राधिका किस आधार पर चुनती हैं फिल्में? राधिका आटे की हालिया फिल्में ‘लस्ट स्टोरीज 3’, ‘साली मोहब्बत’, ‘मिसेज अंडरकवर’ और ‘मोनिका- ओ माय डार्लिंग’ सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई थीं। हालांकि राधिका का कहना है कि उन्होंने फिल्मों का चुनाव इस आधार पर नहीं किया कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होगी या ओटीटी पर। बातचीत में उन्होंने कहा, ‘मैं इस आधार पर कोई प्रोजेक्ट नहीं चुनती कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होगा या ओटीटी पर। मुझे इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। मैं बस यही चाहती हूँ कि फिल्म किसी न किसी तरह दर्शकों तक पहुंच जाए।’

आलिया-दीपिका को लेकर बोलीं राधिका



राधिका ने आगे बताया कि बॉक्स ऑफिस के समीकरणों को देखते हुए, महिला कलाकार अवसर ऐसी फिल्में चुनती हैं जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका निभा रहे हों। राधिका ने कहा, ‘पिछले कुछ वर्षों में थिएट्रिकल रिलीज के मामले में यह समझना मुश्किल हो गया है कि क्या चलेगा और क्या नहीं। अगर कोई ऐसी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होती है, जिसमें मैं मुख्य भूमिका में हूँ, तो वह शायद फ्लॉप हो जाए, भले ही वह कितनी भी बेहतरीन फिल्म क्यों न हो। मैं आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसी स्टार नहीं हूँ, जिनके मामले में कम से कम यह उम्मीद तो की जा सकती है कि फिल्म की ओपनिंग अच्छी होगी। मैं आपसे बिल्कुल इमानदारी से कह रही हूँ। इसका मतलब यही है कि मुझे ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना पड़ता है, जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका निभाते हैं।’ हालांकि राधिका को आलिया और दीपिका की स्टार पावर पर भरोसा है, मगर इन दोनों अभिनेत्रियों ने भी पिछले कुछ समय से बॉक्स ऑफिस पर कोई बड़ी सोलो हिट नहीं दी है। 2022 में आलिया भट्ट की फिल्म ‘गंगबाई काठियावाड़ी’ आई थी, जो हिंदी सिनेमा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला-प्रधान फिल्मों में से एक है। मगर इसके बाद उनकी सोलो फिल्में, ‘जिगरा’ और ‘अल्फा’ बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही। 2018 में आई फिल्म ‘छपाक’ के बाद से, दीपिका किसी ऐसी फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर नहीं आई हैं, जो अकेले उनके दम पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई हो।



‘स्नो ब्राइड’में रहस्य सुलझाती नजर आएंगी भूमिका गुरुंग

टीवी शो ‘निमकी मुखिया’ और ‘निमकी विधायक’ में अपनी एक्टिंग से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस भूमिका गुरुंग अब वेब सीरीज ‘स्नो ब्राइड’ के जरिए रहस्य और रोमांच से भरी दुनिया में नजर आएंगी। यह सीरीज हिमालय के एक दूरदराज गांव की कहानी है, जहां डर, अंधविश्वास और एक खोफनाक रहस्य लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। सीरीज में भूमिका पूर्वा नाम की महिला का किरदार निभा रही हैं, जो गांव के लोगों की मान्यताओं पर आख बंद करके भरोसा करने के बजाय सच जानने की कोशिश करती है। भूमिका का कहना है कि इस सीरीज की खास बात यह है कि दर्शक भी उनकी तरह धीरे-धीरे रहस्य की परतों को समझेंगे और गांव के बारे में अपनी धारणाओं पर सवाल उठाएंगे। छह एपिसोड वाली इस सरपेंस ड्रामा सीरीज में भूमिका के साथ शिवम भार्गव, मानुल चुडासमा और इंद्रजीत मोदी भी अहम भूमिकाओं में हैं। कहानी ऐसे गांव में बुनी गई है, जहां यति को लेकर कई पीढ़ियों से कहानियां सुनाई जाती रही हैं। गांव की युवा महिलाओं के अचानक गायब होने की घटनाओं को यति से जोड़कर देखा जाता है। गायब होने वाली महिलाओं को ‘यति की दुल्हन’ कहा जाता

है और गांव के लोग डर, आस्था और पुरानी मान्यताओं के चलते इन घटनाओं को स्वीकार करते आए हैं। लेकिन जब पूर्वा इन कहानियों पर सवाल उठाना शुरू करती है, तो उसका सामना ऐसे रहस्यों से होता है, जो हर नए सवाल के साथ और भी डरावने होते जाते हैं। भूमिका ने अपने किरदार के बारे में कहा, ‘पूर्वा की सबसे खास बात मुझे यह लगी कि वह सिर्फ इसलिए किसी बात को सच नहीं मान लेती, क्योंकि उसके आसपास के सभी लोग उस पर विश्वास करते हैं। वह समझना चाहती है कि आखिर क्या हो रहा है, भले ही सवाल पूछने की वजह से उसे अपने आसपास के लोगों से अलग क्यों न होना पड़े।’ उन्होंने आगे कहा, ‘पूर्वा के इस दृढ़ इरादे के साथ उसके मन में मौजूद डर और अनिश्चितता को पार कर उठाना मेरे लिए काफी दिलचस्प रहा। मुझे ‘स्नो ब्राइड’ की सबसे अच्छी बात यह लगी है कि दर्शक भी पूर्वा के साथ ही इस रहस्य को सुलझाते देखेंगे। मैं चाहती हूँ कि दर्शक उसके सफर को देखें और गांव के बारे में जो कुछ वे जानते या मानते हैं, उस पर सवाल उठाएं।’ एक्टर शिवम भार्गव ने सीरीज की कहानी और इसके माहौल को दिलचस्प बताया।

सीएमएचओ के नहीं पहुंचने से नहीं खुल सकी फैक्ट्री, संचालक ने जताई आर्थिक नुकसान की चिंता

उदयपुर @ पदमावत मीडिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के उपस्थित नहीं होने के कारण एक फैक्ट्री को खोलने की कार्रवाई फिर टल गई। फैक्ट्री संचालक सैफुद्दीन का आरोप है कि चिकित्सा विभाग की ओर से उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है, जिससे वे मानसिक तनाव में हैं और फैक्ट्री बंद रहने से प्रतिदिन आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उनके अनुसार, 17 अक्टूबर 2026 को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम बिना पूर्व सूचना के फैक्ट्री की जांच के लिए पहुंची थी। उस समय फैक्ट्री बंद होने पर वहां एक पर्वी चप्पा की गई, जिसमें निर्देश दिया गया कि फैक्ट्री खोलते समय चिकित्सा विभाग की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। सैफुद्दीन के अनुसार, इसी निर्देश के क्रम में 23 अक्टूबर 2026 को जिला कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को लिखित सूचना देकर फैक्ट्री खोलने के दौरान उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया था। इस दौरान विभाग की ओर से खाद्य निरीक्षक पहुंचे, लेकिन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अशोक आदित्य उपस्थित नहीं हुए। इसके चलते फैक्ट्री खोलने की कार्रवाई नहीं हो सकी। इसकी सूचना जिला कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक को भी दी गई। इसके बाद 28 अक्टूबर 2026 को सुबह 11 बजे फैक्ट्री परिसर में प्रवेश करने के लिए अधिकारियों को सूचित किया गया, लेकिन उनके उपस्थित नहीं होने और विभाग की ओर से अनावश्यक परेशानी की आशंका के चलते संचालक ने प्रवेश की कार्रवाई नहीं की। सैफुद्दीन ने संबंधित विभाग से जल्द फैक्ट्री खुलवाने में सहयोग करने की मांग की है, ताकि आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी से राहत मिल सके।



सलूम्वर में प्रतियोगिताओं, बाइक रैली और रंगोली से दिया मतदान जागरूकता का संदेश



सलूम्वर @ पदमावत मीडिया। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत मीनाक्षी महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जबकि ग्राम पंचायत लकापा में बाइक रैली निकाली गई। इसके अलावा आंगनवाड़ी केंद्र गुड़ एवं भागल में रंगोली बनाकर ग्रामीणों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। सलूम्वर पंचायत समिति क्षेत्र में 3 नवंबर को जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों तथा 5 नवंबर को सपरंप एवं वाईपच पदों के लिए मतदान होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर मुहम्मद जुनेद पी.पी., रिटर्निंग अधिकारी जगदीश चन्द्र बामनिया तथा स्वीप प्रभावी रामावतार यादव के निर्देशन में ये गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। रंगोली प्रतियोगिता में साक्षी पटेल, हर्षिता सुधार एवं विवेक सुधार ने भाग लिया, जबकि निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता में स्नेहा कुंवर चुंडावत, भाविका पटेल, लता कुंवर, अंजलि गोस्वामी एवं सुजल सिंह शामिल हुए। कार्यक्रम में कॉलेज निदेशक मीना मसरार, प्रचार्य डॉ. नीतु सोलंकी और राजश्री जोशी सहित स्टाफ मौजूद रहा। ग्राम पंचायत लकापा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से निकली बाइक रैली के जरिए ग्रामीणों को मतदान के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, आंगनवाड़ी केंद्र गुड़ एवं भागल में मेरा वोट, मेरा अधिकार संदेश के साथ रंगोली बनाकर शत-प्रतिशत मतदान की अपील की गई। प्रशासन ने मतदाताओं से स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर अपने मतधिकार का उपयोग करने का आह्वान किया।

जयपुर में पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में शाम 6 बजे तक 68.35 प्रतिशत मतदान

जयपुर @ पदमावत मीडिया। पंचायतीराज आम चुनाव 2026 के दूसरे चरण में बुधवार को जयपुर जिले में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए शाम 6 बजे तक 68.35 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि जिले के 3,78,364 मतदाताओं में से 2,58,612 मतदाताओं ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया। पांच पंचायत समितियों में शाहपुरा में सर्वाधिक 71.87 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि जालसू में 70.10, रामपुरा डाबड़ी में 67.39, आमेर में 67.05 और अमरसर में 66.75 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, सुबह 10 बजे तक 15.02 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 33.12 प्रतिशत, अपराह्न 3 बजे तक 49.45 प्रतिशत और शाम 6 बजे तक 68.35 प्रतिशत मतदान हुआ। दूसरे चरण में अमरसर, आमेर, जालसू, रामपुरा डाबड़ी और शाहपुरा पंचायत समितियों के कुल 81 वार्डों तथा जिला परिषद के वार्ड संख्या 11 से 14 और 51 से 57 के लिए मतदान कराया गया। इसके लिए जिले में कुल 413 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए थे।

केंद्रीय सचिव सुधांशु पंत 1 नवंबर को उदयपुर आएंगे

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव सुधांशु पंत 1 नवंबर को उदयपुर पहुंचेंगे। वे दोपहर 12 बजे महाराणा प्रताप एयरपोर्ट, डबोक पहुंचकर विद्या भवन सोसायटी की ओर से आयोजित एक्सीडेंटी-2 राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। 2 नवंबर को राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विभिन्न स्थलों का दौरा करेंगे और विभागीय योजनाओं की प्रगति का जायजा लेंगे।

हॉलीवुड में फिल्म निर्माण से जुड़ीं पूजा बत्रा कल्पना चावला से प्रेरित होकर बनीं ‘अंतरिक्ष यात्री’



बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और फिल्मों से की, लेकिन कुछ समय बाद उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया कि वे फिल्मी पर्दे से दूर हो गईं। पूजा बत्रा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद उन्होंने फिल्मों में अपनी पहचान बनाई और फिर निजी जिंदगी के फैसलों के चलते कुछ समय के लिए हिंदी सिनेमा से दूरी बना ली। इसके बाद उन्होंने विदेश में अपनी जिंदगी और करियर को नए सिरे से आगे बढ़ाया।

उन्होंने हॉलीवुड में काम किया और एक फिल्म में अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया। इस रोल की तैयारी के लिए उन्होंने भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में भी पढ़ा। अब पूजा अभिनय के साथ फिल्म निर्माण की दुनिया में भी सक्रिय हैं। पूजा बत्रा का जन्म 27 अक्टूबर 1975 को हुआ था। उनके पिता रवि बत्रा भारतीय सेना में कर्नल थे, जबकि उनकी मां नीलम बत्रा ने भी 1971 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। सेना में पिता की नौकरी के कारण पूजा को बचपन में अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। उन्होंने करीब 12 साल में 10 स्कूल बदले। बचपन से ही उन्हें खेलों में दिलचस्पी थी और वह दौड़ की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती थीं। पूजा ने कम उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। एक साबुन के विज्ञापन से उन्हें काफी पहचान मिली। साल 1993 में उन्होंने मिस

इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीता। इस उपलब्धि के बाद उनके लिए मनोरंजन की दुनिया में नए रास्ते खुले। हालांकि, उन्होंने अपनी पढ़ाई भी पूरी की और इसके बाद फिल्मों में कदम रखा। साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म ‘विरासत’ से उन्होंने हिंदी सिनेमा में पहचान बनाई। इस फिल्म में वह अनिल कपूर और तब्बू के साथ नजर आईं। इसके बाद उन्होंने ‘भाई’, ‘हसीना मान जागो’, ‘दिल ने फिर याद किया’, ‘कहीं प्यार न हो जाए’ और ‘नायक: द रियल हीरो’ जैसी फिल्मों में काम किया। पूजा की जिंदगी में एक ऐसा भी समय आया, जब उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। उन्होंने अमेरिका में रहने वाले ऑर्थोपेडिक सर्जन सोनू एस. अहलूवालिया से शादी की और लॉस एंजलिस में रहने लगीं। बाद में दोनों का तलाक हो गया। इस बदलाव के बाद पूजा ने अपने जीवन और करियर को फिर

से आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया। उन्होंने भारतीय फिल्मों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में भी मौके तलाशे। पूजा के करियर का एक खास पड़ाव 2016 में आई साईस-फिक्शन फिल्म ‘वन अंडर द सन’ रही। इस फिल्म में उन्होंने कैथरीन वॉस नाम की अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया था। कहानी एक ऐसे अंतरिक्ष मिशन की अकेली बची यात्री के बारे में थी, जो धरती पर लौटने के बाद अपनी बीमार बेटी से मिलना चाहती है। फिल्म के लिए तैयारी करते समय पूजा ने कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में पढ़ा। उन्होंने बताया कि इन अंतरिक्ष यात्रियों से उन्हें किरदार की शारीरिक बनावट और व्यक्तित्व को समझने में मदद मिली। फिल्म की शूटिंग सिर्फ 11 दिनों में पूरी हुई थी। इसे कान फिल्म फेस्टिवल में भी पेश किया गया था। पूजा ने सिर्फ अभिनय तक खुद को सीमित नहीं रखा। वह फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी आगे बढ़ी और लॉस एंजलिस स्थित अपनी प्रोडक्शन कंपनी ग्लोबल इंक के जरिए प्रोजेक्ट्स से जुड़ीं। साल 2026 में उनकी कंपनी ने निर्माण में बनी शॉर्ट फिल्म ‘इकोज ऑफ अस’ कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान दिखाई गई। इस फिल्म में दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसांद्रा डेलन मेरिडिज नजर आए।

खबर संक्षेप

डूंगरपुर में पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में 43.17 प्रतिशत मतदान



समिति सदस्य के 115 वाडों के लिए मतदान हुआ। सुबह 7 बजे से शुरू हुई मतदान प्रक्रिया में युवा, महिलाएं, दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। दोपहर 3 बजे तक जिले में कुल 43.17 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान शाम 6 बजे तक जारी रहा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डूंगरपुर, पाल देवल, बिछीवाड़ा, गामड़ी अहाड़ा, साबला, आसपुर और दोवड़ा पंचायत समितियों में मतदान कराया गया। सुबह 10 बजे तक कुल 12.04 प्रतिशत और दोपहर 1 बजे तक 31.76 प्रतिशत मतदान हुआ था। दोपहर 3 बजे तक पंचायत समिति आसपुर में 38.62, बिछीवाड़ा में 49.05, दोवड़ा में 40.80, डूंगरपुर में 41.33, गामड़ी अहाड़ा में 51.04, पाल देवल में 49.98 और साबला में 39.95 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान केंद्रों पर पहली बार वोट डालने वाले युवा मतदाताओं के साथ 90 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग भी मतदान करने पहुंचे। जिला प्रशासन ने शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। सभी मतदान केंद्रों पर पुलिस जवान तैनात रहे तथा निगरानी के लिए वीडियोग्राफी की व्यवस्था भी की गई।

उदयपुर के भल्लों का गुड़ा स्कूल में कश्ती फाउंडेशन ने बांटी स्टेशनरी किट

उदयपुर@ पदमावत मीडिया। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कश्ती फाउंडेशन की ओर से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भल्लों का गुड़ा में



विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री और स्टेशनरी किट वितरित की गई। श्रद्धा मुंडिया के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के दौरान फाउंडेशन के सदस्य शिल्पा गांधी, तहिरा शाह, डॉ. चित्रसेन, कपिल पालीवाल और स्वयंसेवक लांसलॉट लोबो ने बच्चों से संवाद कर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। स्टेशनरी किट मिलने पर बच्चों के चेहरे खिल उठे। विद्यालय परिवार ने फाउंडेशन की इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्य हितेंद्र सोनी, वरिष्ठ अध्यापक महेश जोशी, सुमन द्विवेदी और शारीरिक शिक्षक गणपत सिंह झाला ने कहा कि इस तरह का सहयोग ग्रामीण विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होगा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार और फाउंडेशन ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐसे सहयोगात्मक प्रयास आगे भी जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

सलूमबर में 1180 स्काउट-गाइड संभालेंगे मतदान केंद्रों पर व्यवस्था

सलूंबर @ पदमावत मीडिया। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तृतीय एवं चतुर्थ चरण में मतदान प्रक्रिया को सुगम बनाने तथा दिव्यांग एवं वृद्धजन मतदाताओं को सहयोग देने के लिए जिले में 1180 स्काउट-गाइड वॉलंटियर्स तैनात किए जाएंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर दो-दो वॉलंटियर्स सेवाएं देंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर मुहम्मद जुनैद पी.पी. तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश राय सापेला के निर्देशानुसार लसाड़िया, सलूंम्बर, गौंगला, जयसमंद, सेमारी, सराड़ा और झल्लारा स्थानीय संघों में वॉलंटियर्स को प्रशिक्षण दिया गया है। सीओ स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि वॉलंटियर्स दिव्यांग एवं वृद्धजन मतदाताओं को मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार से मतदान बूथ तक पहुंचने और मतदान के बाद वापस जाने में सहयोग करेंगे। जरूरत के अनुसार व्हीलचेयर के उपयोग में भी सहायता दी जाएगी। वॉलंटियर्स को सम्मानजनक व्यवहार, निर्वाचन आचार संहिता की पालना और मतदान केंद्रों पर अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। सभी वॉलंटियर्स मतदान दिवस पर निर्धारित समय से पहले युनिफॉर्म एवं पहचान पत्र के साथ उपस्थित रहेंगे। प्रशिक्षण में आरपी पूर्व्वेन्द्र टांक, एडीसी स्काउट मो. अंसार काजी, एडीसी गाइड सलमा मंसूरी सहित सात स्थानीय संघों के पदाधिकारियों एवं प्रशिक्षकों ने भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दिव्यांगता, अधिक आयु या आवागमन संबंधी कठिनाइयों के कारण कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रहे।



लद्दाख में पंचायत चुनाव 2026 की तैयारियों की मुख्य सचिव ने की समीक्षा



लेह। लद्दाख के मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने 27 अक्टूबर को आगामी पंचायत चुनाव 2026 की तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में चुनाव संबंधी व्यवस्थाओं, आवश्यक संसाधनों, विभागों के बीच समन्वय और निर्धारित समय पर तैयारियां पूरी करने पर जोर दिया गया। ग्रामीण विकास विभाग की सचिव निधि मलिक ने ब्लॉक, सरपंच एवं पंच निर्वाचन क्षेत्रों, मतदान केंद्रों, रिटर्निंग अधिकारियों, चुनाव कार्यक्रम, संसाधनों और कर्मचारियों की तैनाती से संबंधित तैयारियों की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने नामांकन प्रक्रिया, चुनाव सामग्री एवं मतपेटियों की



उपलब्धता, मतदान कर्मियों की नियुक्ति और प्रशिक्षण, स्ट्रॉन्ग रूम व मतगणना केंद्रों की सुरक्षा तथा मतदान दलों की आवाजाही की समीक्षा की। उन्होंने नामांकन और शिकायतों की दैनिक निगरानी, चुनाव संबंधी रिपोर्ट समय पर भेजने और पुलिस के

साथ समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दूरदराज और बर्फबारी प्रभावित क्षेत्रों में सड़क एवं मौसम की स्थिति, वैकल्पिक मार्ग, बर्फ हटाने, परिवहन, भोजन, आवास, हीटिंग और संचार की व्यवस्था के लिए आकस्मिक योजनाएं तैयार करने को कहा। बैठक में कानून-व्यवस्था, चुनाव ड्यूटी के लिए शिक्षकों एवं अन्य सरकारी कर्मचारियों की तैनाती, आबकारी व्यवस्था और सीमा चौकियों पर समन्वय की भी समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस महानिदेशक आनंद जैन, वित्त सचिव त्सेवांग शारचिन, मुख्य निर्वाचन अधिकारी राहुल शर्मा, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव रुद्र पी. टी. गौड़, लेह के उपायुक्त रोमिल सिंह डोंक सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर में राज्यपाल ने शक्ति वंदन मोबाइल ऐप का किया लोकार्पण



जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को शक्ति वंदन मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने शक्ति संवाद, उद्यम उत्सव के तहत आयोजित महिला उद्यमिता प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। राज्यपाल ने सेवायाम संस्था के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार किए गए ऐप को महत्वपूर्ण बताते हुए जयपुर नगर निगम की पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुजरं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उचित अवसर, मार्गदर्शन और सहयोग मिलने पर वे



परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को केवल

योजनाओं की लाभार्थी नहीं, बल्कि उद्यमी, रोजगार सृजित करने वाली नेतृत्वकर्ता और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार के रूप में पहचान मिलनी चाहिए। उन्होंने शक्ति वंदन अभियान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल विचार से प्रेरित बताते हुए महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और लाडली बहना जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान उन्होंने विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित उत्पादों की खरीद को प्रोत्साहित किया।

उदयपुर में 1 नवंबर को विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह, आरएएस टॉपर्स देंगे मार्गदर्शन



उदयपुर। विप्र फाउंडेशन के जिला शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ तथा सहस्र औदित्य समाज के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 1 नवंबर को विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह एवं निःशुल्क आरएएस परीक्षा मार्गदर्शन सेमिनार आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक सहस्र औदित्य समाज की नवीं धर्मशाला, सीए सर्फिल, सेक्टर-14 में होगा। सेमिनार में आरएएस परीक्षा में सफल टॉपर्स, अनुभवी प्रशासनिक अधिकारी और प्रतियोगी परीक्षा विशेषज्ञ



अभ्यर्थियों को परीक्षा रणनीति, पाठ्यक्रम, प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा की तैयारी, समय प्रबंधन और प्रभावी अध्ययन पद्धति के बारे में मार्गदर्शन देंगे। समारोह में वर्ष 2026 में कक्षा 12वीं, सीए, सीएस, नीट, आईआईटी, स्नातक या उच्च स्तर की डिग्री एवं डिप्लोमा परीक्षाओं

में 65 से 85 प्रतिशत तक अंक प्राप्त करने वाले पात्र विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। आरएएस परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी भी निःशुल्क मार्गदर्शन के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 अक्टूबर 2026 कर दी गई है। आयोजन की तैयारियों को लेकर मेहता चैबर में हुई बैठक की अध्यक्षता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. एच.आर. दवे ने की। बैठक में प्रदेश सचिव गणेश नागदा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रणय जानी को दोनों संस्थाओं के बीच समन्वय का दायित्व सौंपा गया। राजेश पालीवाल ने आभार व्यक्त किया।

उदयपुर में एक वर्ष में 113 स्ट्रोक मरीजों को मिला थ्रॉम्बोलाइसिस उपचार



ब्यूरो हेड : ऋचा पानेरी

उदयपुर। विश्व स्ट्रोक दिवस के अवसर पर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने स्ट्रोक के लक्षणों को समय पर पहचानकर मरीज को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की अपील की है। न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. तरुण कुमार रालोत ने बताया कि स्ट्रोक के उपचार में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। पिछले एक वर्ष में अस्पताल में 113 मरीजों को थ्रॉम्बोलाइसिस उपचार दिया गया, जबकि प्रतिदिन तीन से चार संभावित स्ट्रोक मरीज आपातकालीन सेवा में पहुंचते हैं। इस उपचार में विशेष दवाओं के माध्यम से रक्त वाहिकाओं में बने थक्के को घोलने का प्रयास किया जाता है, जिससे मस्तिष्क को होने वाले नुकसान को कम किया जा



सकता है। उन्होंने बताया कि स्ट्रोक अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि अनियमित जीवनशैली, धूम्रपान, शराब सेवन, मोटापा, तनाव, उच्च रक्तचाप और मधुमेह के कारण युवाओं में भी इसका खतरा बढ़ रहा है। डॉ. रालोत ने बताया कि चेहरे का एक तरफ लटकना, हाथ या पैर में अचानक कमजोरी अथवा सुनपन आना और

बोलने या बात समझने में पेशानी होना स्ट्रोक के प्रमुख लक्षण हैं। इनमें से कोई भी लक्षण दिखाई देने पर मरीज को तुरंत स्ट्रोक उपचार की सुविधा वाले अस्पताल की आपातकालीन सेवा में पहुंचाना चाहिए। लक्षण कुछ समय बाद ठीक हो जाएं, तब भी चिकित्सकीय जांच जरूरी है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार तथा रक्तचाप, मधुमेह और कोलेस्ट्रॉल पर नियंत्रण से स्ट्रोक का खतरा कम किया जा सकता है। अस्पताल में न्यूरोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन, मानसिक स्वास्थ्य और पुनर्वास विशेषज्ञों की समन्वित टीम उपलब्ध है, जो जांच के आधार पर उपचार निर्धारित करती है। आवश्यकता के अनुसार शल्य चिकित्सा, शारीरिक पुनर्वास और वाणी चिकित्सा के माध्यम से मरीजों को सामान्य जीवन में लौटने में सहायता दी जाती है।

सलूमबर के लसाड़िया में 52 किलो पुराना मावा और मिठाई नष्ट



सलूंम्बर। दीपावली के त्योहारी सीजन में शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान के तहत निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा दल ने लसाड़िया स्थित न्यू जोधपुर मिष्ठान भंडार और महालक्ष्मी स्वीट्स एंड बेकरी का निरीक्षण किया। इस दौरान न्यू जोधपुर मिष्ठान भंडार में 45 किलोग्राम पुराना मावा और 7 किलोग्राम मिठाई मिलने पर कुल 52 किलोग्राम खाद्य सामग्री मौके पर ही नष्ट करवाई गई। दोनों प्रतिष्ठानों से खाद्य नमूने लेकर जांच के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, उदयपुर भेजे जाएंगे। जिला कलेक्टर मोहम्मद जुनैद पी.पी. तथा अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निदेशन में की गई इस कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी निशा मीणा और सहायक



खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी

शूरवीर सिंह उपस्थित रहे। नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग के अनुसार दीपावली के मद्देनजर अब तक जिले में 11 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य नमूने जांच के लिए भेजे जा चुके हैं। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

उदयपुर में साध्वी मंजुल ज्योति ने बताया धर्म के आचरण का महत्व



उदयपुर। उपनगरीय क्षेत्र स्थित श्री वर्धमान पुष्कर गुरु ध्यान केंद्र, दूधिया गणेशजी के गुरु पुष्कर प्रवचन सभागार में बुधवार को मुस्कानप्रिय साध्वी वंदिता के सानिध्य में दैनिक श्री पैसठिया छंद जाप का आयोजन हुआ। इस के लाभार्थी रोशनलाल सिंघवी परिवार रहे। जाप दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। दैनिक व्याख्यान में उपप्रवर्तिनी महासती साध्वी मंजुल ज्योति ने इन्द्रिय संयम और कर्म निर्जरा का महत्व बताते हुए कहा कि धर्म की सीख तभी सार्थक होती है, जब उसे जीवन में अपनाकर उसका आचरण किया जाए। साध्वी मंजुल ज्योति ने कहा कि चक्षु और



रसना सहित इन्द्रियों पर नियंत्रण रखकर किए गए कार्य ही सार्थक होते हैं। जीभ से भोजन का स्वाद लेने के साथ बोलने का कार्य भी होता है, इसलिए वाणी पर संयम रखना आवश्यक है। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि स्वादिष्ट भोजन की प्रशंसा करने मात्र से भूख

चक्षु और रसना सहित इन्द्रियों पर नियंत्रण रखकर किए गए कार्य ही सार्थक होते हैं

नहीं मिटती और दवा के गुण बताने से रोग दूर नहीं होता, बल्कि उसका सेवन करना जरूरी है। इसी प्रकार धर्म-कर्म की बातें करने से ही जीव का कल्याण नहीं होता, बल्कि धर्म को जीवन में उतारकर उसका पालन करना आवश्यक है। प्रवचन के समापन पर साध्वी मंजुल ज्योति ने श्रद्धालुओं को 24 घंटे के आलू एवं अनार के प्रत्याख्यान करवाए।

जयपुर में जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण



जयपुर @ पदमावत मीडिया। पंचायतीराज आम चुनाव 2026 के दूसरे चरण में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए बुधवार को हुए मतदान के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर



व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अचरोल, शाहपुरा, पीपलोद नारायण और राडावास सहित जिले की दूसरे चरण में शामिल पांच पंचायत समितियों के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बिजली, पानी, संचयन और सुरक्षा सहित मतदान केंद्रों पर उपलब्ध आवश्यक सुविधाओं की स्थिति देखी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों पर मौजूद मतदाताओं से

बातचीत कर मतदान प्रक्रिया और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने मतदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। साथ ही लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाने के लिए मतदान में भागीदारी निभाने वाले सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया।



